रजिस्टर्ड नं0 ल0-33/एस0 एम0 14.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 19 अप्रैल, 1989/29 चैत्र, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

HIMACHAL PRADESH VIDHAN SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

Shimla, 4th 12th April, 1989

No. 1-13/89-VS.—In pursuance to rule 135 of the Rules of Procedure and Conduct of Business of the Himachal Pradesh Legislative Assembly, 1973, the Himachal Pradesh

Appropriation (No. 3) Bill, 1989 (Bill No. 5 of 1989) having been introduced on the 12th April, 1989, in the Himachal Pradesh Vidhan Sabha, is published in the Gazette.

LAXMAN SINGH,
Secretary.

1989 का विधेयक संख्यांक 5

हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 1989

(विधान सभा में यथा पुरःस्थापित)

हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से, वित्तीय वर्ष 1986–87 में, कतिपय सेवाओं पर, उन सेवाओं के लिए प्राधिकृत या मंजूर की गई रकम से अधिक व्यय की गई रकम को पूरा करने के लिए, कतिपय रकम के विनियोजन को प्राधिकृत करने का उपबन्ध करने के लिए **विधेयक** ।

भारत गणराज्य के चालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

संक्षिप्त नाम ।

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्या 3) अधिनियम, 1989 है ।

हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से वित्तीय वर्ष 1986-87 के लिए कतिपय व्ययों को पूरा करने के लिए 6,83,81,158 रुपये की और राशि प्राधिकृत करना ।

2. हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से अनुसूची के तृतीय स्तम्भ में विनिर्दिष्ट राशियां, जिनका योग 6,83,81,158 रुपये (छः करोड़, तिरासी लाख, इक्कासी हजार, एक सौ अठावन रुपये) है, वित्तीय वर्ष 1986–87 के दौरान अनुसूची के द्वितीय स्तम्भ में विनिर्दिष्ट सेवाओं से सम्बन्धित प्रभारों को चुकाने के लिए, उन सेवाओं और उस वर्ष के लिए प्राधिकृत या मंजूर की गई रकम से अधिक व्यय की गई रकम को पूरा करने के लिए संदत्त किए जाने और उपयोजन के लिए प्राधिकृत समझी जाएगी ।

विनियोग ।

3. इस अधिनियम के अधीन, हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से संदत्त और उपयोजन के लिए प्राधिकृत समझी जाने वाली राशियां, वित्तीय वर्ष 1986–87 से सम्बन्धित अनुसूची में अभिव्यक्त, सेवाओं और प्रयोजनों के लिए विनियोजित समझी जाएगी ।

अनुसूची

(धाराएं 2 और 3 देखें)

1	2		3		
मांग संख्या	सेवाएं और प्रयोजन		निम्नलिखित राशियों से अनधिक		
			विधान सभा द्वारा दत्तमत	संचित निधि पर प्रभारित	जोड़
2	राज्यपाल तथा मन्त्रिपरिषद्	(राजस्व)	1,02,860	—	1,02,860
8	शिक्षा, कला तथा संस्कृति एवं वैज्ञानिक अनुसंधान।	(पूंजी)	47,210	—	47,210
9	चिकित्सा और परिवार नियोजन	(पूंजी)	43,36,309	—	43,36,309
10	लोक निर्माण	(राजस्व)	3,08,75,556	—	3,08,75,556
11	कृषि	(राजस्व)	1,55,15,517	—	1,55,15,517
		(पूंजी)	69,47,259	—	69,47,259
13	भूमि तथा जल संरक्षण	(पूंजी)	76,284	—	76,284
17	सड़कें तथा पुल	(पूंजी)	99,83,166	—	99,83,166
26	लेखन सामग्री तथा मुद्रण	(पूंजी)	50,606	—	50,606
29	श्रम तथा रोजगार	(राजस्व)	4,31,650	—	4,31,650
		(पूंजी)	14,741	—	14,741
		जोड़	6,83,81,158	—	6,83,81,158

उद्देश्यों और कारणों का कथन

यह विधेयक, भारत के संविधान के अनुच्छेद 205 के खण्ड (1) के साथ पठित, अनुच्छेद 204 के खण्ड (1) के अनुसरण में, हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से वित्तीय वर्ष 1986-87 के दौरान अनुदान और विनियोग से अधिक किए गए व्यय को पूरा करने के लिए और अधिक धन के विनियोजन का उपबन्ध करने के लिए पुरःस्थापित है ।

वीरभद्र सिंह,
मुख्य मन्त्री ।

शिमला :
12 अप्रैल, 1989.

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिश

[वित्त विभाग, फाइल नं0 फिन-ए-सी(2) 1/88-II]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 1989 की विषय-वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन उक्त विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं ।

[*Authoritative English text of the Himachal Pradesh Viniyog (Sankhya 3) Vidheyak, 1989 (1989 ka Vidheyak Sankhyank 5) as required under Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.*]

Bill No. 5 of 1989.

THE HIMACHAL PRADESH APPROPRIATION (NO. 3) BILL, 1989

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

to provide for the authorisation of appropriation of certain amount out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh to meet the amount spent on certain services for the financial year, 1986-87 in excess of the amount authorised or granted for those services for that year.

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Appropriation (No. 3) Act, 1989.

Authorisation of a further sum of Rs. 6,83,81,158 out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh to meet certain expenditure for the financial year 1986-87.

2. From and out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh, the sums specified in column (3) of the Schedule amounting in the aggregate to the sum of Rs. 6,83,81,158 (six crores, eighty-three lakhs, eighty-one thousand, one hundred and fifty-eight rupees) shall be deemed to have been authorised to be paid and applied to meet the amount spent for defraying the charges in respect of the services specified in column (2) of the Schedule during the financial year, 1986-87 in excess of the amount authorised or granted for these services and for that year.

Appropriation.

3. The sums deemed to have been authorised to be paid and applied from and out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh under this Act shall be deemed to have been appropriated for the services and purposes expressed in the Schedule in relation to the financial year, 1986-87.

THE SCHEDULE

(*See* sections 2 and 3)

1	2		3		
Number of Demand	Services and purposes		Sums not exceeding		
			Voted by the Legislative Assembly	Charged on the Consolidated Fund	Total
2	Governor and Council of Ministers	(Revenue) ..	1,02,860	—	1,02,860
8	Education, Art and Cultural Affairs and Scientific Research	(Capital) ..	47,210	—	47,210
9	Medical and Family Planning	(Capital) ..	43,36,309	—	43,36,309
10	Public Works	(Revenue) ..	3,08,75,556	—	3,08,75,556
11	Agriculture	(Revenue) ..	1,55,15,517	—	1,55,15,517
		(Capital) ..	69,47,259	—	69,47,259
13	Soil and Water Conservation	(Capital) ..	76,284	—	76,284
17	Roads and Bridges	(Capital) ..	99,83,166	—	99,83,166
26	Stationery and Printing	(Capital) ..	50,606	—	50,606
29	Labour and Employment	(Revenue) ..	4,31,650	—	4,31,650
		(Capital) ..	14,741	—	14,741
		Total ..	6,83,81,158	—	6,83,81,158

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

This Bill is introduced in pursuance of Clause (1) of Article 204 read with Clause (1) of Article 205 of the Constitution of India to provide for the appropriation from and out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh of the moneys further required to meet the expenditure on account of expenses in excess of grants and appropriations for the financial year 1986-87.

VIRBHADRA SINGH,
Chief Minister.

SHIMLA:
The 12th April, 1989.

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[FINANCE DEPARTMENT, FILE NO. FIN. A-C(2) 1/88-II]

The Governor, Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Appropriation (No. 3) Bill, 1989 recommends, under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the aforesaid Bill in the Legislative Assembly.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित